रोजगार कौशल

कक्षा 10 के लिए पाठ्यपुस्तक

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

प्रथम संस्करण

फरवरी 2020 माघ 1941

पीडी 5टी बीएस

© *राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2020*

115.00 रुपए

एनसीईआरटी वॉटरमार्क के साथ 80 जीएसएम पेपर पर प्रिंट

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, श्री अरबिंदो मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित और एलपीपी प्रिंट पैकेजिंग प्रा. लि., 28/1/10, साइट–4, साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र, साहिबाबाद, जिला गाजियाबाद (उ. प्र.) में मुद्रित

आईएसबीएन 978–93–5292–270–3

सर्वाधिकार सुरक्षित

- इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना, किसी भी रूप में या किसी भी तरह से, इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या अन्यथा किसी पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत या प्रेषित किया जा सकता है।
- इस पुस्तक को इस शर्त के अधीन प्रदान किया जाता है कि इसे व्यापार, किराए, पुनः बिक्री में या अन्यथा प्रकाशक की सहमति के बिना नहीं उपयोग किया जाएगा, यदि यह उस बाइंडिंग या आवरण के रूप में है जिसमें इसे प्रकाशित किया गया है।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पेज पर मुद्रित मूल्य है। रबर की मुहर या स्टिकर द्वारा या अन्य किसी तरीके से कोई मूल्य संशोधित करना गलत है और इसे स्वीकार नहीं किया जाए।

प्रकाशन प्रभाग, एनसीईआरटी का कार्यालय

एनसीईआरटी परिसर
श्री अरबिंदो मार्ग
नई दिल्ली 110016 **फोन :** 011–26562708

108, 100 फीट रोड
होसदाकेरे हल्ली एक्सटेंशन
बनाशंकरी 3 स्टेज
बेंगलुरु 560 085 **फोन :** 080–26725740

नवजीवन ट्रस्ट बिल्डिंग
पी. ओ. नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 **फोन :** 079–27541446

सीडब्ल्यूसी परिसर
धानकल बस स्टॉप के सामने
पनीहाटी
कोलकाता 700114 **फोन :** 033–25530454

सीडब्ल्यूसी कॉम्प्लेक्स
मलीगांव
गुवाहाटी 781021 **फोन :** 0361–2674869

प्रकाशन दल

प्रमुख, प्रकाशन प्रभाग	:	श्री अनूप कुमार राजपूत
मुख्य संपादक	:	श्वेता उप्पल
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	अरुण चितकारा
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	बिबेश कुमार दास
संपादक	:	बिजनान सुतार
उत्पादन अधिकारी	:	राजेश पिप्पल

कवर और लेआउट

डीटीपी प्रकोष्ठ, प्रकाशन प्रभाग

प्रस्तावना

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 (एनसीएफ–2005) में पाठ्यक्रम के प्रक्षेत्र में कार्य और शिक्षा को जोड़ने, इन्हें अधिगम के सभी क्षेत्रों में आपस में मिलाने के साथ संगत चरणों पर अपनी एक पहचान देने की सिफारिश की गई है। इसमें समझाया गया है कि कार्य से ज्ञान अनुभव में परिवर्तित होता है तथा इससे महत्वपूर्ण व्यक्तिगत और सामाजिक मान्यताएं पैदा होती है, जैसे आत्म निर्भरता, रचनात्मकता और सहयोग। कार्य के जरिए व्यक्ति समाज में अपनी जगह बनाना सीखता है। यह एक शैक्षिक गतिविधि है जिसमें समावेश की अंतर्निहित संभाव्यता है। अतः, एक शैक्षिक व्यवस्था में उत्पादक कार्य में शामिल होने के अनुभव से व्यक्ति सामाजिक जीवन के महत्व को समझता है और समाज में किसका महत्व है और किसे महत्व देना है, इसे जानता है। कार्य में सामग्री या अन्य लोगों (अधिकांशतः दोनों) का मेल जोल शामिल है, इस प्रकार प्राकृतिक पदार्थों और सामाजिक संबंधों की गहरी व्याख्या एवं उन्नत प्रायोगिक ज्ञान का सृजन होता है।

कार्य और शिक्षा के माध्यम से स्कूल के ज्ञान को बड़ी आसानी से छात्र के स्कूल से बाहर के जीवन से जोड़ा जा सकता है। इससे किताबी विद्या से हटकर स्कूल, घर, समुदाय और कार्यस्थल के बीच का अंतर मिट जाता है। एनसीएफ–2005 में उन सभी बच्चों के लिए व्यावासायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) में भी बल दिया गया है जो या तो अपनी स्कूली पढ़ाई बीच में रोक कर या इसे पूरा करने के बाद व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से अतिरिक्त कौशल हासिल करना चाहते हैं और / या आजीविका कमाना चाहते हैं। वीईटी से एक अंतिम या ''अंतिम आश्रय'' विकल्प के स्थान पर एक ''वरीयता प्राप्त और प्रतिष्ठित'' विकल्प प्रदान करने की उम्मीद की जाती है।

इसके अनुवर्तन के रूप में, एनसीईआरटी ने विषय क्षेत्रों में कार्य को शामिल करने का प्रयास किया है तथा देश के लिए राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा (एनएसक्यूएफ) के विकास में भी योगदान दिया है, जिसे 27 दिसंबर 2013 को अधिसूचित किया गया था। यह गुणवत्ता आश्वासन रूपरेखा है जिसमें ज्ञान, कौशलों और मनोवृत्ति के स्तरों के अनुसार सभी योग्यताएं हासिल की जाती हैं। ये स्तर, एक से दस तक ग्रेड किए गए हैं, जिन्हें अधिगम के परिणामों के संदर्भ में परिभाषित किया जाता है, जिन्हें छात्र को सीखना अनिवार्य है, चाहे वे इसे औपचारिक, गैर–औपचारिक या अनौपचारिक तरीके से हासिल करते हैं। एनएसक्यूएफ में स्कूलों, व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण संस्थानों, तकनीकी शिक्षा संस्थानों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय तौर पर मान्यता प्राप्त योग्यता प्रणाली के लिए सामान्य सिद्धांत और दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं।

इस पृष्ठभूमि के तहत, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) की घटक इकाई, पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई), भोपाल, द्वारा कक्षा 9 से 12 के लिए व्यावसायिक विषयों हेतु मॉड्यूलर पाठ्यचर्या आधारित अधिगम परिणामों का विकास किया है। इसे मानक संसाधन विकास मंत्रालय की माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की केंद्रीय प्रयोजित योजना के तहत विकसित किया गया है।

इस पाठ्यपुस्तक में व्यापक तरीके से विभिन्न जॉब रोल में निहित जैनरिक कौशलों को विचार में लिया गया है तथा छात्रों को अधिक अवसर और विस्तार प्रदान करने के साथ उन्हें इन सामान्य और अनिवार्य कौशलों में

संलग्न किया गया है, जैसे संचार, तर्क संगत सोच और विभिन्न जॉब रोल से संबंधित अलग अलग परिस्थितियों में निर्णय लेना।

मैं इसके विकास दल, समीक्षकों और सभी संस्थानों एवं संगठनों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक के विकास में समर्थन दिया है।

एनसीईआरटी छात्रों, अध्यापकों और अभिभावकों के सुझावों का स्वागत करती है, जिससे हमें अगले संस्करणों में इस सामग्री की गुणवत्ता के सुधार में मदद मिलेगी।

हृषिकेश सेनापति
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

नई दिल्ली,
जून, 2018

पाठ्यपुस्तक के बारे में

रोजगार के कौशलों को उन सॉफ्ट कौशलों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो नियोक्ता अपने संभावित कर्मचारी में पाना चाहते हैं। ये कौशल कर्मचारियों को अपनी सर्वोत्तम क्षमता और ग्राहक की संतुष्टि के अनुसार अपना काम करने के लिए तैयार करते हैं। उदाहरण के लिए, आप जो कहना चाहते हैं उसे एक स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से लिखित और बोलने के जरिए समझाने की क्षमता, इससे ग्राहक या उपभोक्ता के साथ एक बेहतर संबंध बनता है। इसी प्रकार, तनाव से निपटना जो कार्य पूरा करने की समय सीमा के साथ पैदा होता है तथा यह सुनिश्चित करना कि आप समय सीमा के अंदर काम कर सकते हैं, इसके लिए प्रभावी स्व प्रबंधन प्रशिक्षण आवश्यक है। यह विभिन्न विषयों, पृष्ठभूमियों और विशेषज्ञता वाले अन्य लोगों के साथ काम करते हुए भी किया जा सकता है कि कार्य या लक्ष्य को समय पर पूरा किया जाए। आज के डिजिटल युग में नियोक्ता उम्मीद करते हैं कि कर्मचारी सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के आरंभिक कार्यों का उपयोग करने में सक्षम होने चाहिए ताकि वे इंटरनेट के माध्यम से सहयोगात्मक नेटवर्कों से सूचना पुनः प्राप्त, पहुंच, भंडार, उत्पादन, प्रस्तुति और आदान प्रदान करने में सक्षम हो सकें। छात्रों को उद्यमशीलता के कौशल विकसित करने की जरूरत है ताकि वे अपने व्यापार को शुरू करने का अनिवार्य ज्ञान और कौशल विकसित कर सकें, इस प्रकार नौकरी पाने के इच्छुक व्यक्ति की जगह नौकरी देने वाले बन सकें। संभावित कर्मचारियों में हरित कौशलों के विकास की जरूरत है, जो हैं तकनीकी कौशल, ज्ञान, मान्यताएं और व्यापार, उद्योग तथा समुदाय में आर्थिक और पर्यावरण संबंधी परिणाम। इस प्रकार एक छात्र के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि आप ये सभी कौशल हासिल करें ताकि आप संगठन की कौशल मांगों को पूरा कर सकें जिन पर आप कार्य करेंगे या आप अपना स्वयं का व्यापार स्थापित करेंगे और उसे चलाएंगे।

यह पाठ्यपुस्तक 'रोजगार कौशल' संचार, स्व–प्रबंधन, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, उद्यमशीलता और हरित कौशलों पर तैयार की गई है। इसे अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या के अनुसार विकसित किया गया है। रोजगार के कौशल राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा के तहत विभिन्न क्षेत्रों में अलग अलग जॉब रोल के योग्यता पैक में निहित किए गए हैं।

पाठ्यपुस्तक का लक्ष्य पाठ्य और वीडियो आधारित अंतःक्रियात्मक ई–अधिगम पाठों के मिले जुले तरीके से अधिगम का अनुभव प्रदान करना है। कक्षा में इन ई–अधिगम पाठों को चलाने के लिए इंटरनेट कनेक्शन के साथ कंप्यूटर, प्रोजेक्टर और साउंड सिस्टम की जरूरत होगी, जो स्कूल द्वारा अध्यापकों और छात्रों को प्रदान किया जाएगा। अध्यापक आपको कक्षा में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए मार्गदर्शन देंगे – प्रश्न पूछने और उत्तर देने तथा अनुदेशों का पालन करने के साथ आप अभ्यास और गतिविधियां पूरी करेंगे।

विनय स्वरूप मेहरोत्रा
प्रोफेसर और प्रमुख
पाठ्यचर्या विकास और मूल्यांकन केंद्र और राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा प्रकोष्ठ,
पं. सुं. श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) के दल के सभी सदस्यों तथा भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) के अधिकारियों द्वारा इस पाठ्यपुस्तक के विकास में किए गए सहयोग के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती है। परिषद श्री राजेश पी. खम्बायत, संयुक्त निदेशक, पं. सुं. श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई), भोपाल के प्रति धन्यवाद प्रेषित करती है, जहां इस पाठ्यपुस्तक के विकास के लिए समर्थन और मार्गदर्शन मिला।

परिषद श्री विनय स्वरूप मेहरोत्रा, प्रोफेसर और प्रमुख, पाठ्यचर्या विकास और मूल्यांकन केंद्र और राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा प्रकोष्ठ, पीएसएससीआईवीई, भोपाल के प्रति आभार व्यक्त करती है जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक के विकास और प्रकाशन में अपने अथक प्रयास कौशल युक्त मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की। परिषद सुश्री सरोज यादव, प्रोफेसर और डीन (ए), एनसीईआरटी, और सुश्री रंजना अरोड़ा, प्रोफेसर और प्रमुख, पाठ्यचर्या अध्ययन विभाग, की आभारी है जिन्होंने इस पुस्तक को अंतिम रूप देने के लिए अपने निष्ठा पूर्ण प्रयास किए और समीक्षा कार्यशालाओं का समन्वय किया।

परिषद इस पाठ्यपुस्तक की समीक्षा के लिए पीएसएससीआईवीई के निम्नलिखित समीक्षा समिति सदस्यों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करती है – श्री अभिजीत नायक, प्रोफेसर और प्रमुख, स्वास्थ्य और पैरामेडिकल विभाग, श्री दीपक शुद्धलवार, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विभाग, श्री कुलदीप सिंह, प्रोफेसर और प्रमुख, कृषि और पशु पालन विभाग, सुश्री मृदुला सक्सेना, प्रोफेसर, गृह विज्ञान और आतिथ्य प्रबंधन विभाग, श्री पी. वीरैया, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, व्यापार और वाणिज्य विभाग, सुश्री पिंकी खन्ना, प्रोफेसर और प्रमुख, गृह विज्ञान और आतिथ्य प्रबंधन विभाग, श्री राजीव पाठक, प्रोफेसर, कृषि और पशु पालन विभाग, श्री सौरभ प्रकाश, प्रोफेसर, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विभाग, श्री आर. के. शुक्ला, प्रोफेसर, व्यापार और वाणिज्य विभाग, और श्री विपिन के. जैन, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, मानविकी, विज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान विभाग।

परिषद पाठ्यपुस्तक के विकास में उनकी सहायता करने और पाठ्यपुस्तक के लिए चित्र प्रदान करने के लिए श्री आकाश सेठी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, क्वेस्ट एलायंस, सुश्री अदिति कुमार, परियोजना प्रबंधन, क्वेस्ट एलायंस, श्री अमित सिंह, सलाहकार, राष्ट्रीय उद्यमशीलता और लघु व्यापार विकास संस्थान, श्री ऑस्टीन थॉमस, कार्यकारी उपाध्यक्ष, वाधवानी फाउंडेशन, सुश्री दीप्ति भोमरा, पाठ्यचर्या प्रबंधक, वाधवानी फाउंडेशन, श्री कृष्णा एस, वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक, सेंट्रल स्क्वेयर फाउंडेशन, श्री मेकिन माहेश्वरी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उद्यम लर्निंग फाउंडेशन, सुश्री निधि साहनी, पाठ्यचर्या प्रबंधक, वाधवानी फाउंडेशन, सुश्री निकिता वेंगानी, वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक, क्वेस्ट एलायंस, सुश्री पूनम सिन्हा, संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय उद्यमशीलता और लघु व्यापार विकास संस्थान, श्री रोहित मेसी, सलाहकार, राष्ट्रीय उद्यमशीलता और लघु व्यापार विकास संस्थान, सुनील दाहिया, *कार्यकारी उपाध्यक्ष,* वाधवानी फाउंडेशन और विक्रांत चंदेला, *एसोसिएट निदेशक,* वाधवानी फाउंडेशन द्वारा दिए गए मूल्यवान योगदान के लिए अभारी है। विकास कोगी, विजुअल एनालाइजर और पिंकी तिवारी, ग्राफिक डिजाइनर, पीएसएससीआईवीई, भोपाल द्वारा इस पाठ्यपुस्तक के लिए चित्र प्रदान किए गए

जिनके लिए विधिवत आभार व्यक्त किया जाता है। इस पाठ्यपुस्तक में इस्तेमाल किए गए चित्र क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस द्वारा दिए गए हैं।

परिषद सुश्री शिल्पा मोहन, सहायक संपादक (संविदात्मक) प्रकाशन प्रभाग, एनसीईआरटी द्वारा इस पुस्तक को आकार देने के लिए प्रति संपादन और मूल्यवान योगदान के लिए भी अत्यंत आभारी हैं।

श्री पवन कुमार बरियार, डीटीपी ऑपेरटर और सचिन तंवर, डीटीपी ऑपरेशन (संविदात्मक), प्रकाशन प्रभाग, एनसीईआरटी द्वारा त्रुटि रहित लेआउट डिजाइन हेतु किए गए प्रयास भी प्रशंसा योग्य हैं।

विषय सूची

प्रस्तावना		
पाठ्यपुस्तक के बारे में		
इकाई 1 :	**संचार कौशल**	
सत्र 1 :	संचार के तरीके	
सत्र 2 :	मौखिक संचार	
सत्र 3 :	गैर मौखिक संचार	
सत्र 4 :	संचार चक्र और प्रतिक्रिया का महत्व	
सत्र 5 :	प्रभावी संचार की बाधाएं	
Session 6	Writing Skills - Parts of Speech	
Session 7	Writing Skills - Sentences	
इकाई 2 :	**स्व प्रबंधन कौशल**	
सत्र 1 :	तनाव का प्रबंधन	
सत्र 2 :	स्व–जागरूकता – ताकत और कमजोरी का विश्लेषण	
सत्र 3 :	स्व–प्रेरणा	
सत्र 4 :	स्व–विनियमन – लक्ष्य का निर्धारण	
सत्र 5 :	स्व–विनियमन – समय का प्रबंधन	
इकाई 3 :	**सूचना और संचार प्रौद्योगिकी कौशल**	
सत्र 1 :	बेसिक कंप्यूटर प्रचालन	
सत्र 2 :	बेसिक फाइल प्रचालन का प्रदर्शन	
सत्र 3 :	कंप्यूटर की देखभाल और रखरखाव	
सत्र 4 :	कंप्यूटर सुरक्षा और गोपनीयता	
इकाई 4 :	**उद्यमशीलता कौशल**	
सत्र 1 :	उद्यमशीलता और समाज	
सत्र 2 :	योग्यता और एक उद्यमी के कार्य	
सत्र 3 :	उद्यमशीलता के बारे में मिथ्या	
सत्र 4 :	कैरियर विकल्प के रूप में उद्यमशीलता	
इकाई 5 :	**हरित कौशल**	
सत्र 1 :	सतत विकास	
सत्र 2 :	सतत विकास में हमारी भूमिका	
उत्तर कुंजी		
शब्दावली		

क्या आप जानते हैं?

संविधान के 86वें संशोधन अधिनियम, 2002 के अनुसार अब 6 से 14 वर्ष के आयु समूह में सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा संविधान के अनुच्छेद 21–ए के तहत एक बुनियादी अधिकार है।

शिक्षा न तो एक विशेष अधिकार है और न ही एक अनुग्रह है बल्कि यह एक मूलभूत मानव अधिकार है जिसकी पात्रता सभी बालिकाओं और महिलाओं से है।

बालिकाओं को एक मौका दें।